मुर्गी पालन- किसानों क नया एटीएम

वजराजा

यह एक बहुरंगी तथा दोहरे प्रयोजन वाला पक्षी होने के साथ आकर्षक पक्षति (प्लूमेज) वाला पक्षी है।

सामान्य कुक्कुट रोग के विरुद्घ इसमें बेहतर प्रतिरक्षा स्तर है और यह मुक्त रेंज पालन के लिए अनुकूल है।

- वजराजा के नर नियमित आहार प्रणाली के तहत 8 सप्ताह की आयु में मामूली शरीर वजन हासिल करते हैं।
- मुर्गी के अंडजनन का चक्र 160-180 अंडे एक चक्र में होते हैं।
- इसके परस्पर हल्के वजन और लम्बी टांगों के कारण पक्षी परभक्षी से अपनी रक्षा करने में सफल होते हैं जो कि पिछवाड़े में पक्षी पालन में अपने आप में एक मुख्य समस्या है।

कृषिभ्रो

कुक्कुट पालन परियोजना निदेशालय, हैदराबाद द्वारा विकसित बहु-रंगी व्यावसायिक ब्रायलर चिक्स

- 2-2 आहार रूपांतरण अनुपात से कम
- 6 सप्ताह की आयु तक शरीर वजन प्राप्त करता

लाभः

- सख्त, बेहतर अनुकूल तथा जीवित रहने की बेहतर क्षमता
- इसकी निर्वाहता 6 सप्ताह तक लगभग 97 प्रतिशत है
- इन पक्षियों का आकर्षक रंग पक्षति है तथा उपोष्ण मौसम स्थितियों के अनुकूल है।
- व्यावसायिक कृषिभ्रो सामान्य पोल्ट्री रोग जैसे रानीखेत तथा संक्रमण ब्रुसलरोग के विरुद्ध उच्च प्रतिरोधी है।
- नस्लों की उपलब्धता के बारे में कृपया निम्नलिखित से सम्पर्क करें।

गिरिराजा

गिरिराज नस्ल की तुलना में, स्वर्णधारा नस्ल छोटे आकार की और कम शरीर वजन वाली है जो इसे पर-भक्षियों जैसे जंगली बिल्ली और लोमड़ी के हमले से बचने में मददगार होती है।

- इस पक्षी को अंडों और मांस के लिए पाला जाता है।
- हैचिंग के बाद यह 22-23 सप्ताह में परिपक्व होती है।
- मुर्गियों का वजन लगभग 3 किलो ग्राम तथा मुर्गों का वजन लगभग 4 किलो ग्राम होता है।
- स्वर्णधारा नस्ल की मुर्गियां एक वर्ष में लगभग 180-190 अंडे देती हैं।

कड़कनाथ-
इस नस्ल का मांस काला और देखने में विकर्षक (रीपल्सिव) होता है, इसे सिर्फ स्वाद के लिए ही नहीं बल्कि औषधीय गुणवत्ता के लिए भी जाना जाता है।

- कडाकनाथ के रक्त का उपयोग आदिवासियों द्वारा मानव के गंभीर रोगों के उपचार में कामोत्तेजक के रूप में इसके मांस का उपयोग किया जाता है।
- इसका मांस और अंडे प्रोटीन (मांस में 25-47 प्रतिशत) तथा लौह एक प्रचुर स्रोत माना जाता है।
- 20 सप्ताह में शरीर वजन (ग्राम)- 920
- यौन परिपक्वता में आयु (दिन)- 180
- वार्षिक अंडा उत्पादन (संख्या)- 105
- 40 सप्ताह में अंडे का वजन (ग्राम)- 49
- जनन क्षमता (प्रतिशत)- 55

कारीब्रो-धनराजा (बहु-रंगीय)

दिवस होने पर वजन – 46 ग्राम

6 सप्ताह में वजन – 1600 से 1650 ग्राम

- 7 सप्ताह में वजन – 2000 से 2150 ग्राम
- ड्रेसिंग प्रतिशतः 73 प्रतिशत
- सहनीय प्रतिशत – 97-98 प्रतिशत
- 6 सप्ताह में आहार रूपांतरण अनुपातः 1.90 से 2.10

कारीब्रो- मृत्युंजय (कारी नैक्ड नैक)

- दिवस होने पर वजन – 42 ग्राम
- 6 सप्ताह में वजन – 1650 से 1700 ग्राम
- 7 सप्ताह में वजन – 200 से 2150 ग्राम
- ड्रैसिंग प्रतिशतः 77 प्रतिशत
- सहनीय प्रतिशत – 97-98 प्रतिशत
- 6 सप्ताह में आहार रूपांतरण अनुपातः 1.9 से 2.0

हितकारी (नैक्ड नैक क्रॉस)

- नैक्ड नैक परस्पर बड़े शरीर के साथ-साथ लम्बी गोलीय गर्दन वाला होता है। जैसे इसके नाम से पता लगता है कि पक्षी की गर्दन पूरी नंगी या गालथैली (क्रॉप) के ऊपर गर्दन के सामने पंखों के सिर्फ टफ दिखाई देते हैं।
-
- इसके फलस्वरूप इनकी नंगी चमड़ी लाल हो जाती है विशेषरूप से नर में यह उस समय होता है जब ये यौन परिपक्वतारूपी कामुकता में होते है।
- केरल का त्रिवेन्द्रम क्षेत्र नैक्ड नैक का मूल आवास माना जाता है।
- 20 सप्ताह में शरीर का वजन (ग्राम)- 1005
- यौन परिपक्वता में आयु (दिन)- 201

- वार्षिक अंडा उत्पादन (संख्या)- 99
- 40 सप्ताह में अंडे का वजन (ग्राम)- 54
- जनन क्षमता (प्रतिशत)- 66

मनदीप सिंह आज़ाद

कृषि विज्ञान केंद्र , रियासी ,जम्मू कश्मीर